प्रेषक

प्रशान्त शर्मा,
विशेष सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

कृषि निदेशक,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कृषि अनुभाग-3 **लखनऊ:: दिनांक: 01 जून, 2018**

विषयः- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में 0201-कृषि क्षेत्र की पूॅजीगत योजनायें के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-रा.कृ.वि.यो./147/लेखा-14/2018-19, दिनांक 18.05.2018 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 हेतु राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में 0201-कृषि क्षेत्र की पूॅजीगत योजनायें के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार वित्तीय स्वीकृति हेतु रू0-432.94 लाख (रू0 चार करोड़ बत्तीस लाख चौरानबे हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

धनराशि लाख रू0 में

क्र.सं.	परियोजना का नाम	एस.एल.एस.सी. अनुमोदन	अनुमोदित धनराशि	लेखाशीर्षक /मानक मद	स्वीकृत धनराशि
1	Infrastructure Development for Govt. Agriculture Farms	09.06.2016	1718.00	अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-4401-फसल कृषि कर्म- पूॅजीगत परिव्यय-800-अन्य व्यय-02-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-0201-कृषि क्षेत्र की पूंजीगत योजनायें 26-मशीन और सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र	19.77
				अनुदान संख्या-83 के लेखाशीर्षक-4401-फसल कृषि कर्म पर पूॅजीगत परिव्यय-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना-02-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-0201-कृषि क्षेत्र की पूंजीगत योजनायें 24-वृहद निर्माण कार्य 26-मशीन और सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र **योग-**	 204.42 207.93 **412.35**
				कुल योग-	**432.12**
2	Infrastructure and assets development at Govt Agricultural Farms	18.06.2015	750.00	अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-4401-फसल कृषि कर्म पर पूॅजीगत परिव्यय-800-अन्य व्यय-02-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-0201-कृषि क्षेत्र की पूंजीगत योजनायें 24-वृहद निर्माण कार्य	 0.82
			2468.00	**महायोग**	**432.94**

(रू0 चार करोड़ बत्तीस लाख चौरानबे हजार मात्र)

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण नियमानुसार किया जाएगा तथा पूर्व में निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरांत ही प्रश्नगत धनराशि व्यय की जाएगी।

3- स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का आवंटन मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है जिन मामलों में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल और फाइनेन्शियल हैण्ड बुक के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो उन मामलों में व्यय करने से पूर्व स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

4- कृषि निदेशक द्वारा स्वीकृत धनराशि वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2015/बी.-1-925/दस-2015-231/2015, दिनांक 30.03.2015 के संगत प्राविधान के अनुसार आहरित कर प्रश्नगत कार्य हेतु Infrastructure Development for Govt. Agriculture Farms परियोजना हेतु शासनादेश संख्या-1413/12-3-2016-100(13)/2014बी.टी.सी., दिनांक 23.11.2016 द्वारा नामित कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0, उ0प्र0 लखनऊ (यू.पी.पी.सी.एल.) एवं Infrastructure and assets development at Govt Agricultural Farms परियोजना हेतु उ0प्र0 समाज कल्याण निर्माण निगम लि0, लखनऊ को उपलब्ध करायी जायेगी।

5- स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का उपयोग योजना की मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में गठित एस.एल.एस.सी. द्वारा अनुमोदित परियोजना प्रस्ताव/अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप भारत सरकार के दिशा निर्देशों/गाइड लाइन्स एवं संगत नियमों के अनुसार सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय केवल उन्ही मदों पर किया जायेगा जिस मद के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है तथा आय-व्ययक में प्राविधानित है। किसी अन्य भिन्न मद में न ही इसका व्यय किया जायेगा और न ही एक मद से दूसरे मद में इसका डायवर्जन किया जायेगा। यदि किसी मद में व्यय करने की अनुमति भारत सरकार द्वारा कार्य योजना में प्राप्त न हो तो उसकी सूचना शासन में उपलब्ध करायी जाय।

6- योजनान्तर्गत व्यय की जाने वाली उक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर राज्य नोडल अधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा। विभिन्न घटकों के अन्तर्गत कराये गये कार्यो की मासिक आधार पर भौतिक/वित्तीय प्रगति रिपोर्ट राज्य नोडल अधिकारी को उपलब्ध करायी जायेगी। कृषि निदेशक,

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है

http://shasanadesh.up.nic.in

उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि उक्त कार्य की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में पुनरावृत्ति/द्विरावृत्ति न हो। योजनान्तर्गत धनराशि का उपयोग योजना की कार्ययोजना में अनुमोदित भौतिक/ वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप किया जायेगा।

7- स्वीकृत धनराशि संभावित व्यय की फेजिंग, कार्य की प्रकृति एवं अवसर के अनुसार की जाय, जहां तक संभव हो, व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष की शेष अवधि के लिए प्रतिमाह समान रूप से की जाय। आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागार से धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जाय। यदि विभाग के आहरण एवं वितरण अधिकारी जनपद स्तर पर हैं, तो जनपद स्तर पर व्यय की जाने वाली धनराशियों को संबंधित जनपदों के आहरण एवं वितरण अधिकारी को आवंटित की जाय। ऐसे मामलों में विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त धनराशि का आहरण न किया जाय, क्योंकि धनराशि के एकमुश्त आहरण से राज्य के रोकड़ प्रबंधन (कैश मैनेजमेंट) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा अनावश्यक रूप से बैंकों में खाता खोलकर धनराशि जमा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। शासन की पूर्वानुमति प्राप्त किये बगैर कोई भी धनराशि बैंक खाते में नही रखी जाएगी, यदि ऐसा प्रकरण शासन के संज्ञान में आता है तो इसे गम्भीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

8- स्वीकृत की गयी उक्त धनराशि के व्यय पर नियंत्रण के संबंध में शासनादेश संख्या-बी-1-1195/ दस-16/94, दिनांक 06.06.1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय प्रबंधन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययता के संबंध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तो की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टेण्डड्स ऑफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

9- कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ जनता के बीच योजनाओं का प्रचार एवं प्रसार सुनिश्चित करेंगे। उक्त योजना का पूरा विवरण वेवसाइट पर उपलब्ध कराया जायेगा। योजना का Impact assessment कराया जायेगा और उसका समुचित फीडबैक दिया जायेगा। योजना के कार्य पूर्ण हो जाने पर योजना की कार्यो की पूर्णता का पूरा विवरण उपलब्ध कराया जाय।

10- स्वीकृत धनराशि को सुसंगत वित्तीय नियमों के अनुसार व्यय करने का उत्तरदायित्व कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ का होगा।

11- उक्त धनराशि का व्यय वित्तीय वर्ष 2018-19 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-83 के लेखाशीर्षक-4401-फसल कृषि कर्म पर पूँजीगत परिव्यय-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना-02-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-0201-कृषि क्षेत्र की पूंजीगत योजनायें एवं अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-4401-फसल कृषि कर्म पर पूँजीगत परिव्यय-800-अन्य व्यय-02-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-0201-कृषि क्षेत्र की पूंजीगत योजनायें के अन्तर्गत उपर्युक्त तालिका में अंकित सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

12- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2017/बी-1-02/दस-2017- 231/2017, दिनांक 02.01.2017 एवं 1/2018/बी-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30.03.2018, यथासंशोधित कार्यालय ज्ञाप संख्या-03/2018/बी-1-438/दस-2018-231/2018, दिनांक 24.04.2018 द्वारा प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(प्रशान्त शर्मा)
विशेष सचिव।

सं**0- 23/2018/ 532(1)/12-3-2018-**तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- **महालेखाकार,(लेखा व हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद ।**
2- **महालेखाकार,(लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद।**
3- **सचिव, भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।**
4- **संयुक्त सचिव (आर.के.वी.वाई.) भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।**
5- **अवर सचिव (आर.के.वी.वाई.) भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।**
6- **निदेशक, आर के. वी. वाई., भारत सरकार कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, (आर.के.वी.वाई. सेल) कृषि भवन, नई दिल्ली।**
7- **अपर निदेशक, बीज एवं प्रक्षेत्र, कृषि भवन, लखनऊ।**
8- **कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।**
9- **वित्त नियंत्रक, कृषि भवन, लखनऊ को इस निर्देश के साथ कि सम्बन्धित को धनराशि का आवंटन करते हुए आवंटन पत्र की प्रति शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।**
10- **सहायक निदेशक (कम्प्यूटर एवं समन्वय) कृषि भवन, लखनऊ।**
11- **नोडल अधिकारी, आर.के.वी.वाई./बी.जी.आर.ई.आई., कृषि भवन, लखनऊ।**
12- **वित्त (व्यय नियंत्रण), अनुभाग-1/कृषि अनुभाग-5/नियोजन अनुभाग-3**
13- उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 (यू.पी.पी.सी.एल.), उ0प्र0 लखनऊ।
14- शासनादेश की वेबसाइट http://shasanadesh.up.nic.in पर अपलोड करने हेतु।
15- **गार्ड बुक।**

आज्ञा से,

(डा0 राम चन्द्र शुक्ल)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है

http://shasanadesh.up.nic.in